श्रीरस्तु

अणुवेदान्त नामावलिः

अणुभाष्य वचनानि

अध्याय - १

१. ॐ नारायणाय नमः ॐ
२. ॐ गुणैः सर्वैरुदीर्णाय नमः ॐ
३. ॐ दोष वर्जिताय नमः ॐ
४. ॐ ज्ञेयाय नमः ॐ
५. ॐ गम्याय नमः ॐ

६. ॐ गुरुभ्यो नमः ॐ
७. ॐ सूत्रार्थ गम्याय नमः ॐ
८. ॐ विष्णवे नमः ॐ
९. ॐ विजिज्ञास्याय नमः ॐ
१०. ॐ सर्वकर्त्रे नमः ॐ

११. ॐ आगम उदिताय नमः ॐ
१२. ॐ समन्वय गोचराय नमः ॐ
१३. ॐ ईक्षतेर्वाच्याय नमः ॐ
१४. ॐ पूर्णानन्दाय नमः ॐ

१५. ॐ अन्तराय नमः ॐ

१६. ॐ खवते नमः ॐ
१७. ॐ प्रणेत्रे नमः ॐ
१८. ॐ ज्योतिराद्यन्य वस्तु प्रसिद्ध सर्व वेदोक्त गुण वाचक शब्द मुख्य प्रतिपाद्य विष्णवे नमः ॐ
१९. ॐ सर्वगाय नमः ॐ
२०. ॐ अत्रे नमः ॐ

२१. ॐ नियन्त्रे नमः ॐ
२२. ॐ अत्रे नमः ॐ
२३. ॐ दृश्यत्वादि गुण विलक्षण गुणभिन्नाय नमः ॐ
२४. ॐ विश्व जीवान्तरत्वादि वैदिक सर्व लिङ्गैर्युताय नमः ॐ
२५. ॐ सर्वाश्रयाय नमः ॐ

२६. ॐ पूर्ण गुणाय नमः ॐ
२७. ॐ अक्षराय नमः ॐ
२८. ॐ हृदब्जगाय नमः ॐ
२९. ॐ सूर्यादि भासकाय नमः ॐ
३०. ॐ प्राण प्रेरकाय नमः ॐ

३१. ॐ दैवतैरपि ज्ञेयाय नमः ॐ

३२. ॐ वेदैः शूद्राद्यैः अज्ञेयाय नमः ॐ
३३. ॐ कम्पकाय नमः ॐ
३४. ॐ जीवाभिन्नाय नमः ॐ
३५. ॐ उभयत्र प्रसिद्ध पतित्वादि गुण वाचक नाम लिङ्गात्मक सर्व वैदिक शब्द मुख्य वाच्याय जनार्दनाय नमः नमः ॐ

३६. ॐ अन्यत्रैव प्रसिद्ध अव्यक्तादि पदवाच्याय नमः ॐ
३७. ॐ कर्मादि वाचक वाक्य पद वर्ण वाच्याय नमः ॐ
३८. ॐ एक अमितात्मकाय नमः ॐ
३९. ॐ अवान्तार कारणाय नमः ॐ
४०. ॐ प्रकृत्यै नमः ॐ

४१. ॐ शून्यादिभिः अन्यत्रैव नियत नाम लिङ्गात्मक शब्दैः मुख्यतयोदिताय नमः नमः ॐ
४२. ॐ महा योगवृत्या वैदिक शब्द वाच्यत्वात् अनन्त गुणाय नमः ॐ

अध्याय - २

४३. ॐ श्रुति स्मृत्युक्त गुण निषेधाशक्त पाशुपतादि स्मृत्युक्त दोष रहिताय नमः ॐ

४४. ॐ नित्यत्वात् उत्तम प्रमाणभूत वेदवाच्याय नमः
ॐ

४५. ॐ आपोऽब्रुवन् इत्यादि जडत्व युक्ति अविरुद्ध
देवता वचनात् अप्रामाण्य शंका अनर्ह
सुप्रमाणभूत वेद गोचराय नमः ॐ

४६. ॐ असत्कर्तृत्व वाचक श्रुत्यविरोधेन सृष्ट्याद्यष्ट
कर्तृत्वादि गुणाय नमः ॐ

४७. ॐ ईश्वरभिन्न वस्तु कारणत्व अविरुद्ध पूर्ण
गुणत्व वाचक असज्जीव प्रधानादि शब्द
वाच्याय हरये नमः ॐ

४८. ॐ परस्पर विरुद्ध गुणाद्यखिल दोष परिहारक
स्वातन्त्रय सर्व कर्तृत्वादि गुण पूर्णाय नमः ॐ

४९. ॐ सर्व समयानां भ्रान्ति मूलतया अयुक्तेः
तदविरोधेन निः शंकतया वेद प्रति पाद्याय
नमः ॐ

५०. ॐ नित्यतया परस्पर श्रुत्यविरोधेन आकाशादि
समस्त भूत जनि लय कारणाय नमः ॐ

५१. ॐ स्वयं उत्पत्ति लय रहिताय नमः ॐ

५२. ॐ जीवानां देह योग रूपोत्पत्ति कर्त्रे नमः ॐ

५३. ॐ स्वाधीन जीवाय नमः ॐ

५४. ॐ प्रति बिम्ब भूत सर्व जीवाभासकाय नमः ॐ
५५. ॐ सर्व रूपेषु समानाय हरये नमः ॐ

५६. ॐ मुख्य प्राण जनकाय नमः ॐ
५७. ॐ इन्द्रिय देह उद्भव कारणाय नमः ॐ
५८. ॐ स्वाधीन मुख्य प्राणाधीन सर्व वस्तु स्वामिने नमः ॐ
५९. ॐ युक्ति समय श्रुति सयुक्तिक श्रुत्यविरोधात् सर्व दोषोज्झित सर्व वेदोक्त गुण पूर्णत्वेन भगवच्छब्द वाच्याय नमः ॐ
६०. ॐ पुरुषोत्तमाय नमः ॐ

अध्याय - ३

६१. ॐ शुभेन कर्मणा स्वर्ग प्रदात्रे नमः ॐ
६२. ॐ विकर्मणा निरय प्रदात्रे नमः ॐ
६३. ॐ मिथ्या ज्ञानेन तमः प्रदात्रे नमः ॐ
६४. ॐ ज्ञानेनैव परम पद प्रदात्रे नमः ॐ
६४. ॐ विरक्ति साधन गम्याय नमः ॐ

६६. ॐ ज्ञानमेव समाश्रितैः गम्याय नमः ॐ
६७. ॐ सर्वावस्था प्रेरकाय नमः ॐ
६८. ॐ सर्व रूपेषु अभिन्नाय नमः ॐ

६९. ॐ सर्व देश कालेषु एक प्रकाराय नमः ॐ
७०. ॐ परमेश्वराय नमः ॐ

७१. ॐ भक्ति गम्याय नमः ॐ
७२. ॐ तारतम्य ज्ञानेन गम्याय नमः ॐ
७३. ॐ मुक्तावपि तारतम्येन आनन्दादि प्रदात्रे नमः ॐ
७४. ॐ सच्चिदानन्द आत्मेति मानुषैः उपास्याय नमः ॐ
७५. ॐ सुरेश्वरैर्यथा क्रमं बहु गुणोपास्याय नमः ॐ

७६. ॐ ब्रह्मणात्वखिल गुणोपास्याय नमः ॐ
७७. ॐ सर्वैरपि यथा बलं सर्व वेदोक्त गुणवत्त्वेन ज्ञेयाय नमः ॐ
७८. ॐ उत्तरोत्तरं विशेषतः उपासना फल रूप ज्ञान प्रदात्रे नमः ॐ
७९. ॐ ज्ञानादेव निस्सम्शय मोक्षादि सर्व पुरुषार्थ प्रदात्रे नमः ॐ
८०. ॐ ज्ञानिनां क्वचिदपि सर्व दोषालेप कारकाय नमः ॐ

८१. ॐ स्वोत्तम सुख गुणाद्याकांक्षा रूप दोषात् मुक्तौ आनन्द वृद्धि ह्रास कारकाय नमः ॐ

८२. ॐ नृणां सुराणां मुक्तौ अपि यथा क्रमं क्लुप्त सुख दात्रे नमः ॐ

अध्याय - ४

८३. ॐ विष्णुः ब्रह्म तथा आदातेत्येवं आपद्यपि श्रवण मनन ध्यानोपासकानां ब्रह्मापरोक्ष दात्रे नमः ॐ

८४. ॐ ज्ञानादेव प्रारब्धभिन्न सञ्चित आगामि उभय-कर्म- परिक्षय कारकाय नमः ॐ

८५. ॐ भोगेनैव प्रारब्ध कर्म-क्षय कारकाय नमः ॐ

८६. ॐ वायुपर्यन्तं उत्तरोत्तरं देवानां स्वोत्तम-देह-प्रवेश रूप लय-द्वारा मोक्ष प्रदात्रे नमः ॐ

८७. ॐ देवानां स्वोत्तम देहेषु अन्तः वहिर्वा स्वरूप-भोग दात्रे नमः ॐ

८८. ॐ विष्णुं प्रविष्टस्यैव वायोः स्वरूप भोजयित्रे नमः ॐ

८९. ॐ उत्तरोत्तरं उच्च-आनन्दादि भोग दात्रे नमः ॐ

९०. ॐ वह्म-रन्ध्रेण देहात्-उत्क्रान्तानां मानुषाणां मुक्ति-दात्रे नमः ॐ

९१. ॐ सुराणां स्वोत्तमेषु देहक्षयान्मुक्ति दात्रे नमः ॐ

९२. ॐ उत्क्रान्तानामर्चिरादिपथा वायुप्रापकाय नमः ॐ
९३. ॐ नरोच्चाद्यानां ब्रह्मलोकाद् ब्रह्मणा-सहैव जनार्दन- प्रापकाय नमः ॐ
९४. ॐ मुक्तौ यथा संकल्पं भोगदात्रे नमः ॐ
९५. ॐ चिदानन्द शरीर आविर्भाव कर्त्रे नमः ॐ

९६. ॐ जगत्सृष्ट्यादि विषयक महा सामर्थ्य-ऋते यथेष्ट- शक्ति प्रदात्रे नमः ॐ
९७. ॐ स्वाभाविक उत्तमान् विना अन्याधीनता- परिहारकाय नमः ॐ
९८. ॐ मुक्तानां वृद्धि ह्रास वर्जन कारकाय नमः ॐ
९९. ॐ मुक्तानां दुःख चिन्ता आलस्यादि दोष नाशकाय नमः ॐ
१००. ॐ मुक्तानां अविरत सुख-मोदयित्रे नमः ॐ

१०१. ॐ पूर्णप्रज्ञ-मुनि कृत सर्व शास्त्रार्थ संग्रहेण प्रीताय नमः ॐ
१०२. ॐ परमात्मने नमः ॐ
१०३. ॐ रमा-पतये नमः ॐ
१०४. ॐ अशेष-दोष-दूराय नमः ॐ
१०५. ॐ पूर्ण गुणात्मने नमः ॐ

१०६. ॐ विरिञ्चि शर्व पूर्वेड्याय नमः ॐ

१०७. ॐ वन्द्याय नमः ॐ

१०८. ॐ श्री वराय नमो नम इति ॐ

॥ इति अणुवेदान्त अष्टोत्तर शत नामावलिः समाप्ता ॥

॥ श्री कृष्णार्पणमस्तु ॥

** Received the Naamaavali from Sri Satyanarayana Sarma, Kaadu-Hanumarkoil, Dharapuram.

KRISHNACHAR, CHENNAI -
Mobile No. 9443923584